सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

——————

राज्यपाल ने जनपद उन्नाव में आयोजित एक कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को सामग्री और प्रमाण–पत्र वितरित किए

————————

राज्यपाल ने नवाचार व जनपद की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया

————————

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे सैनिकों द्वारा दिखाया गया साहस काबिल–ए–तारीफ

———————

बेटा–बेटी सबको जन्म लेने का अधिकार है, मारने का अधिकार किसी को भी नहीं

————————

आने वाले 25 सालों में हम कैसा भारत चाहते हैं इसकी जिम्मेदारी देश के नौजवानों/युवाओं के कंधों पर है

———————

विकसित भारत बनाने के लिए हर पल हमें जागरूक रहना होगा तथा अपना शत प्रतिशत योगदान देना होगा

——————

मतायें अपने बेटों को पढ़ाएं व अच्छे संस्कार दें और आने वाली बहू को अपनी बेटी की तरह प्यार दें

–राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ : 15 मई, 2025

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने आज जनपद उन्नाव में आयोजित एक कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को सामग्री और प्रमाण–पत्र वितरित किया। इस अवसर पर उन्होंने 200 आंगनबाड़ी कार्यकत्री को प्री–स्कूल किट एवं हाईजीन किट, पोषण अभियान अन्तर्गत 100 पोषण पोटली, मिशन जागृति अभियान के 50 प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र, 100 आयुष्मान कार्ड, स्वामित्व योजनान्तर्गत 50 घरौनी, 100 टी०बी० किट, 100 एन०आर०एल०एम० चेक, 10 बी०सी० सखी एवं विद्युत सखी को प्रमाणपत्र, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान योजनान्तर्गत 50 चेक, 100 प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि प्रमाणपत्र,

100 उज्जवला योजनान्तर्गत गैस कनेक्शन, 100 वृद्धावस्था पेंशन योजना स्वीकृत पत्र, स्पान्सरशिप योजनान्तर्गत 100 चेक आदि का वितरण किया।

राज्यपाल जी के द्वारा आंगनबाड़ी बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु दिए गए मार्गदर्शन और प्रशिक्षण से न केवल उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि उनकी छिपी हुई प्रतिभाओं को भी मंच मिला है। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी केंद्रों में पढ़ने वाले बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। इन नन्हें–मुन्ने बच्चों की प्रस्तुति ने कार्यक्रम में एक विशेष जीवंतता और उत्साह भर दिया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में राज्यपाल जी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए भारतीय सेना व अन्य सुरक्षा एजेंसियों में तैनात जवानों का अभिवादन करते हुए कहा कि इस ऑपरेशन के दौरान प्रधानमंत्री जी व हमारे जवानों ने जो साहस दिखाया है वह काबिल–ए–तारीफ है। उन्होंने कहा कि हम बुद्ध/शान्ति की भूमि से हैं, 'वसुधैव कुटुम्बकम्' हमारा सूत्र वाक्य है। इस भावना को ठेस पहुचाने वालों को हम मुह–तोड़ जवाब देंगे। कानपुर विश्वविद्यालय के दो बच्चों द्वारा विकसित भारत एवं दहेज प्रथा को लेकर जो वक्तव्य दिया गया है वह प्रशंसनीय है। आने वाले 25 सालों में हम कैसा भारत चाहते हैं इसकी जिम्मेदारी देश के नौजवानों/युवाओं के कंधों पर है। विकसित भारत बनाने के लिए हर पल हमें जागरूक रहना होगा तथा अपना शत प्रतिशत योगदान देना होगा। हर परिवार को मेडिकल सुविधा, हर खेत को पानी, हर घर को शुद्ध पीने का जल, हर व्यक्ति को शिक्षा मिले तभी विकसित भारत का सपना पूरा होगा। उन्होंने भारत सरकार की स्वामित्व योजना की सराहना करते हुए कहा कि इस योजना की वजह से जमीन को लेकर होने वाले कई प्रकार के झंगड़े समाप्त हो रहे है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में दहेज प्रथा तथा कन्या भ्रूण हत्या बहुत बड़ी समस्या है। उन्होने सीतापुर जेल में किए गए निरीक्षण के संबंध में कहा कि सिर्फ दहेज प्रथा के कारण 30 प्रतिशत कैदी जेल में सजा काट रहे है। इसके अतिरिक्त 30 प्रतिशत हत्या तथा 30 प्रतिशत जमीन के मामलों की वजह से जेल में हैं। राज्यपाल जी ने सभी माताओं से अपील करते हुए कहा कि वे अपने बेटों को पढ़ाएं व अच्छे संस्कार दें और आने वाली बहू को अपनी बेटी की तरह प्यार दें। यह दुःखद है कि हम जैसे गाय, बैल, घोड़ा आदि को बेंचते हैं वैसे ही अपने बेटों को बेंच रहे हैं। सभी लोग यह संकल्प लें, कि अब न बाल विवाह होगा और न ही दहेज लेंगे। कब और किस से विवाह करना है, यह आपके बच्चों का अधिकार है। माता–पिता

की जिम्मेदारी सिर्फ बच्चें को पढ़ाने तथा संस्कार देने की है। हमारे संविधान में 8–14 वर्ष बच्चों को अनिवार्य शिक्षा का अधिकार दिया गया है और सभी को शिक्षा मिलनी ही चाहिए। उन्होंने बेटियों की सुरक्षा व कम लिंगानुपात को लेकर कहा कि भ्रूण हत्या महा अपराध है और प्रतिबंधित भी है। इसके लिए जिम्मेदार मॉ–बाप एवं डाक्टर्स के खिलाफ कड़ी कार्यवाही अमल में लायी जाए। बेटा–बेटी सबको जन्म लेने का अधिकार है, मारने का अधिकार किसी को भी नहीं है। उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिये कि वे प्राइवेट हॉस्पिटलों का औचक निरीक्षण करे और भ्रूण हत्या करने वाले लोगों व डॉक्टरों पर एफआईआर कर जेल में डाले। यह कृत्य जब तक नहीं रुकेगा तब तक समाज की बर्बादी दूर नहीं होगी।

उन्होंने ऋण योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थियों से कहा कि अधिकारियों ने काम करके आपको लाभान्वित किया है, आप लोग भी अच्छा व्यवसाय कर तथा दूसरे लोगों को रोजगार देकर लाभान्वित करें। सभी को सरकारी नौकरी नहीं मिल सकती है जो होनहार होंगे और पास होंगे उनको नौकरी मिलेगी। मेरिट के आधार पर ही सरकारी नौकरी मिलेगी, बाकी के लिए प्रधानमंत्री जी ने लोन की व्यवस्था की है कि वे व्यवसाय स्थापित कर लोगों को रोजगार दें। गलत काम में मत पड़े, जो लोन मिला है उसका सदुपयोग करें। जनपद की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर विभिन्न नवाचारों के द्वारा जनपद को आगे बढ़ायें। उन्होंने कहा कि क्षय रोगियों के प्रति आत्मीयता का व्यवहार करें। पोषण अभियान के जरिये कुपोषण की समस्या को दूर करें। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि अब एजूकेशन सिस्टम बदल गया है ये 21वीं सदी के बच्चे हैं इसलिए पढ़ाई में भी बदलाव होने चाहिए। आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों को माँ का प्यार मिलना चाहिए। इसके लिए सभी कार्यकत्रियों को चाइल्ड साइकोलॉजी का भी प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने बेटियों की सुरक्षा के दृष्टिगत जिला प्रशासन को निर्देशित किया कि जनपद में संचालित प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में किसी भी बेटी का शोषण न हो और उन्हें परेशान भी न किया जाए। अगर बेटियों के संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत मिली तो उसका लाइसेंस निरस्त कर दिया जायेगा। राज्यपाल जी ने नवाचार तथा जनपद की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया और उसका अवलोकन भी किया। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से विभिन्न नवाचार कार्यक्रमों, योजनाओं तथा इन योजनाओं से लाभान्वित लोगों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मियांगंज के किसान श्री सजीवन लाल को कृषि यंत्रीकरण योजना के अन्तर्गत कीटनाशक/उवर्रक के छिड़काव हेतु ड्रोन, प्रधानमंत्री सूक्ष्म

खाद्य प्रसंस्करण योजना की लाभार्थी श्रीमती सुशीला देवी को अनुदान चेक, एनआरएलएम की महिला लाभार्थी श्रीमती सोनम को ई–रिक्शा तथा 11 दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल देकर लाभान्वित किया।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिगण, मण्डलायुक्त लखनऊ डा0 रोशन जैकब, जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी, पुलिस अधीक्षक श्री दीपक भूकर, सहायक कलेक्टर श्री शौर्य अरोड़ा सहित समस्त जनपद स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में लाभार्थीगण आदि मौजूद रहे।

————————

संपर्क सूत्रः
डॉ0 संगीता चौधरी,
सूचना अधिकारी, राजभवन
मो0: 9161668080